जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

# हमारा वतन

ہمارا وطن ہفت روزہ

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan



संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी



संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी



सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 | अंक-29 | जयपुर, सोमवार, 3 अगस्त, 2026 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4



## राजस्थान खादी विकास मंडल गोविंदगढ़ में कर्मचारियों और बुनकरों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

**जयपुर (हमारा वतन)**

राजस्थान खादी विकास मंडल, गोविंदगढ़ में कर्मचारियों, कताई करने वाली महिलाओं और बुनकरों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर संस्था प्रांगण में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। धरना स्थल पर संस्था के सभी 22 नियमित कर्मचारी तथा लगभग 80 कतिन-बुनकर उपस्थित रहे।

धरने को संबोधित करते हुए कर्मचारी संघ के मंत्री कन्हैया लाल यादव ने बताया कि संस्था प्रशासन द्वारा कर्मचारियों का पिछले 10 से 12 महीने का वेतन, 6 साल का बोनस तथा 6 साल का अवकाश भुगतान रोक कर रखा गया है।

इसके अलावा, खादी कताई करने वाली महिलाओं एवं बुनकरों की मजदूरी का भुगतान तथा कामगार कल्याण कोष का पैसा लंबे समय से जारी नहीं किया गया है, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट पैदा हो गया है। संघ के मंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि संस्था के मंत्री और अध्यक्ष मिलकर खादी विकास मंडल की अचल संपत्तियों को मनमाने ढंग से किराए व लीज पर दे रहे हैं, जिनमें भारी वित्तीय अनियमितताएँ की जा रही हैं।

**मुख्य माँगें-** कर्मचारियों का बकाया 10-12 महीने का वेतन तुरंत जारी किया जाए। पिछले 6 वर्षों का बकाया बोनस एवं अवकाश भुगतान दिया जाए। कतिन-बुनकरों की बकाया मजदूरी और कामगार कल्याण कोष का संपूर्ण भुगतान किया जाए। संस्था की अचल संपत्तियों को लीज/किराए पर देने में हुई अनियमितताओं की निष्पक्ष जाँच हो।

धरना स्थल पर मौजूद सभी कर्मचारियों और बुनकरों ने चेतावनी दी है कि यदि संस्था प्रशासन जल्द से जल्द उनका संपूर्ण बकाया भुगतान नहीं करता है, तो संस्था के संचालक मंडल को तुरंत अपने पद से त्यागपत्र देना होगा। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

## विधानसभा क्षेत्र चौमूँ में नलकूप निर्माण के लिए मिली 72.72 लाख की स्वीकृति

**चौमूं (हमारा वतन)** जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूँ में पेयजल समाधान हेतु 4 नए नलकूप की स्वीकृति जारी की है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को पत्र लिखकर पेयजल के समाधान हेतु नलकूप स्वीकृति की माँग की थी, जिस पर विभाग द्वारा गजानंद बंदावाला की ढाणी मोरीजा के लिए 18.18 लाख, मनमोहन यादव की ढाणी, अनंतपुरा- जैतपुरा के लिए 18.18 लाख, मीणा समाज भवन, बाईपास मोरीजा के लिए 18.18 लाख, गागोरिया की ढाणी, चीथवाडी के लिए 18.18 लाख रूपयों की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र में पेयजल हेतु 4 ट्यूबवेल की स्वीकृति मिली है, जल्द ही इन ट्यूबवेलों का लाभ स्थानीय निवासियों को मिल सकेगा।

## तारा ज्योतिष साधना केंद्र जयपुर में मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

**जयपुर (हमारा वतन)** जयपुर स्थित तारा ज्योतिष साधना केंद्र कार्यालय में गुरु पूर्णिमा का विशेष पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा के साथ मनाया गया। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने बताया कि प्रातः काल से ही कार्यालय परिसर में भक्तगणों एवं विशेष अतिथियों का आगमन शुरू हो गया था।उपस्थित श्रद्धालुओं ने आचार्य को माला पहनाकर, नारियल भेंट कर तथा फल व मिठाइयां अर्पित कर उनका अभिनंदन किया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यालय में पधारे सभी श्रद्धालुओं व अतिथियों को प्रसाद वितरित किया गया।गुरु पूर्णिमा उत्सव के इस पावन अवसर पर सिविल लाइंस विधानसभा उपाध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा, पंडित राहुल दाधीच, मोना माथुर, सुमन सेन, किरण ढाका, आकाश, सरोज स्वामी, मुकेश चौधरी, नेहा सैनी, प्रेम अग्रवाल, सुमित पारीक, वंशिका आडवाणी, राम अवतार, सोनू परिहार सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## शॉर्ट फिल्म दूरियाँ की शूटिंग जोरों पर

**चौमूं (हमारा वतन)** संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित होने वाली शॉर्ट फिल्म दूरियाँ की शूटिंग चौमूं की विभिन्न लोकेशंस पर हो रही है । इस दौरान विभिन्न दृश्यों का फिल्मांकन किया गया।फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि आज के जमाने में एक ही घर में रहकर पिता और पुत्री के बीच किस प्रकार से दूरियाँ उत्पन्न हो जाती हैं। इसी को लेकर यह शॉर्ट फिल्म बनाई जा रही है ।फिल्म में संदेश दिया गया है की कैसे आज के जमाने में बच्चों के साथ संवाद स्थापित कर दूरियों को मिटाया जा सकता है ।इस शॉर्ट फिल्म में प्रिया शर्मा, सुनील शर्मा और नारंगी देवी अपने अभिनय का जलवा बिखेर रहे हैं ।

वहीं फिल्म के सह-निर्देशक संदीप शर्मा और मोहन सैनी ने बताया कि इससे पहले भी संस्कार सृजन संस्था द्वारा अनमोल जीवन और अपमान जैसी शॉर्ट फिल्म इंडिया यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो चुकी हैं, जिसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। शूटिंग के दौरान एडिटर रजनीश सैनी, आरती, निकिता, प्रीति शर्मा, मीना शर्मा, अंकित शर्मा सहित टीम सदस्य मौजूद रहे ।

## गुरु पूर्णिमा पर कथक नृत्य की तीन पीढ़ियों का दिखा अद्भुत संगम, कथक गुरुओं से शिष्यों ने लिया आशीर्वाद



**जयपुर (संस्कार सृजन)** गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर कथक नृत्य के जयपुर घराने के प्रसिद्ध महागुरु गिरधारी महाराज के कथक केंद्र पर गुरु-शिष्य परंपरा का बेहद सुंदर दृश्य देखने को मिला।

इस खास मौके पर नृत्य जगत की तीन पीढ़ियों ने एक साथ उपस्थित होकर गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम के दौरान नृत्य गुरु राजेंद्र राव एवं उनके शिष्य उग्रसेन तंवर ने महागुरु गिरधारी महाराज के चरणों में नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

## दिल्ली के कनॉट प्लेस में बनेगा हाईटेक खादी भवन, खरीदारी संग कैफे का मजा, Gen-Z के लिए खास इंतजाम




**नई दिल्ली (हमारा वतन)**

दिल्ली के सीपी में 4 मंजिला खादी भवन तैयार होने जा रहा है। इस खादी भवन में ग्राहकों को मैकेनाइज्ड फ्लोर सहित कई आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। ग्राहक अपनी पसंद का खादी कपड़ा खरीदकर AI द्वारा तैयार डिजाइनों के आधार पर अपनी मनपसंद ड्रेस सिलवा सकते हैं।

कनॉट प्लेस की रीगल बिल्डिंग में खादी और ग्रामोद्योग आयोग का एक नया और आधुनिक खादी भवन तैयार होने जा रहा है। इस साल के अंत तक बनकर तैयार होने वाले इस चार मंजिला खादी भवन में ग्राहकों को मैकेनाइज्ड फ्लोर सहित कई आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इसकी एक और बड़ी खासियत यह होगी मनोज गोयल कि यहां आने वाले ग्राहक पहली बार खरीदारी के साथ साथ एक बेहतरीन कैफे हाउस का भी आनंद ले सकेंगे।

KVIC के चेयरमैन मनोज गोयल ने बताया कि आज की युवा पीढ़ी की पसंद और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए खादी के पहनावे मैं बड़ा बदलाव किया जा रहा है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ये तमाम उपलब्धियां प्रधानमंत्री के विजन का परिणाम हैं।

इसी के तहत खादी भवन में पहली बार ग्राहकों को कस्टमाइजेशन की सुविधा दी जा रही है। यदि किसी ग्राहक को अपनी पसंद के अनुसार ड्रेस में कोई विशेष डिजाइन या फिटिंग करवानी है, तो वह वहीं पर मौजूद विशेष सेक्शन में इसके बारे में बता सकता है।

**मनपसंद ड्रेस सिलवा सकेंगे** -यहां महिला और पुरुष दोनों के लिए अलग-अलग फैब्रिकेटर तैनात रहेंगे। ग्राहकों की पसंद को और अधिक आधुनिक रूप देने के लिए यहां AI तकनीक की मदद भी ली जाएगी। ग्राहक अपनी पसंद का खादी कपड़ा खरीदकर,ढ्ढ द्वारा तैयार डिजाइनों के आधार पर अपनी मनपसंद ड्रेस सिलवा सकते हैं। बेहतरीन डिजाइनिंग के लिए नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT) और सेंटर ऑफ एक्सिलेंस फॉर खादी (COEK) के विशेषज्ञ डिजाइनर और फैब्रिकेटर हमेशा इस खादी भवन में मौजूद रहेंगे।

**हथकरघा उत्पाद भी मिलेंगे** -नए खादी मॉल में कपड़ों के अलावा ग्रामोद्योग के अन्य सामान भी पहले से कहीं अधिक वैरायटी में उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, खादी भवन में देश के दूर-दराज के इलाकों से लाए गए हथकरघा उत्पाद भी मिलेंगे, जिनमें लकड़ी और बांस के अनोखे सामानों के साथ-साथ विशेष रूप से कमल के फूल से बने दुर्लभ रेशमी कपड़े भी शामिल हैं।

## नृत्य गुरु उषा श्री से गुरु पूर्णिमा पर लिया शिष्यों ने आशीर्वाद

**जयपुर (हमारा वतन)** हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जयपुर स्थित कत्थक कला केंद्र की निदेशक वरिष्ठ अभिनेत्री और कत्थक नृत्य गुरु उषा श्री का शिष्यों ने गुरु पूर्णिमा पर आशीर्वाद लिया। श्रृंगारमणी की उपाधि से सम्मानित उषा श्री ने मां सरस्वती और नटराज की पूजा मोली बांधकर की। गुरु पूर्णिमा के दिन 4 वर्ष से लेकर 40 साल तक के शिष्यों ने गुरु उषा श्री का तिलक लगाकर, मौली बांधकर आशीर्वाद लिया। शिष्यों ने बताया कि हमारी गुरु उषा श्री जी ने सिर्फ नृत्य नहीं सिखाया बल्कि जीवन को अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास के साथ भी जीना सिखाया है।इनके मार्गदर्शन और आशीर्वाद की वजह से ही हम आज इस मुकाम तक हैं।हमारी सफलता के पीछे इनका अमूल्य योगदान है।

## वृक्षमित्र सोनी की पहल पर मेरा पेड़-मेरा दोस्त अभियान के तहत बीईओ ने रोपे पौधे

**देहरादून (हमारा वतन)** वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी की पहल पर मेरा पेड़-मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) अभियान के तहत खण्ड शिक्षा अधिकारी परिसर डोईवाला में खण्ड शिक्षा अधिकारी शिवानी कौशल की अध्यक्षता में तथा पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। जिसमें पदम, बाज, तेजपात के पौधों का रोपण किया।सर्वप्रथम शिवानी कौशल का डोईवाला के खण्ड शिक्षा अधिकारी होने पर बैच व माल्यार्पण तथा पौधा उपहार में भेंट देकर स्वागत किया। खंड शिक्षा अधिकारी शिवानी कौशल ने कहा कि वृक्षमित्र डॉ. सोनी द्वारा शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जन-जन को जागरूक करने के क्षेत्र में एक अलख जगाई है। आज उन्हीं के सौजन्य से हमने अपने परिसर में पौधारोपण किया। सत्ये सिंह राणा ने खंड शिक्षा अधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना सभी की जिम्मेदारी है और इस बारिश के मौसम में एक-एक पौधा लगाना चाहिए। वृक्षमित्र डॉ. सोनी ने कहा कि पर्यावरण को हमें अपने स्वस्थ जीवन शैली में शामिल करना चाहिए। अधिक से अधिक पौधारोपण कर स्वच्छ वातावरण बनाना होगा, वातावरण स्वच्छ होगा तो जीवन भी स्वस्थ रहेगा। डॉ. सोनी ने अपील की कि हर घर के सदस्य को एक-एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। कार्यक्रम में शीला राणा, पवन कुमार, प्रमोद कांडपाल, महेंद्र सिंह कठैत, रश्मि भारद्वाज, प्रतीक्षा लिंगवाल, सुधीर, विकास पाण्डे, सोबन सिंह रावत, सुमन जुयाल आदि मौजूद थे।

## सुकून सुर रागिनी का 'साउंड ऑफ म्यूजिक 2.0' कार्यक्रम 9 अगस्त को

**जयपुर (हमारा वतन)** संगीत प्रेमियों के लिए एक बेहद खास और यादगार शाम का आयोजन होने जा रहा है। सुकून सुर रागिनी संस्था द्वारा रविवार 9 अगस्त 2026 को जयपुर में एक भव्य लाइव म्यूजिक सिंगिंग इवेंट साउंड ऑफ म्यूजिक 2.0 का आयोजन करने जा रही है। एवरी नोट, एवरी वॉयस, वन हार्टबीट की खूबसूरत थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में सुरों, यादों और जादू का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

डायरेक्टर नीरा राजबंशी ने बताया कि कार्यक्रम शाम 5 बजे से रात 9:30 बजे तक आर.आई.सी. मिनी ऑडिटोरियम 1, जयपुर में में संपन्न होने जा रहा है। इस संगीतमय शाम को सफल बनाने में एडमिन टीम के सदस्य अनुपमा माथुर, आयुषी कुलश्रेष्ठ, कर्नल बी. एल. माथुर, जीतेंद्र नाग और मुकुल कुलश्रेष्ठ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जयपुर के सभी संगीत प्रेमियों को इस जादुई और सुरीली शाम का हिस्सा बनने के लिए सादर आमंत्रित किया गया है।

**(कविता)**

## धारा के विरुद्ध

संकल्पों की शिखा जलाकर
जो आगे बढ़ जाता है,कंटक-
पथ की कठिन डगर को हँसकर
पार लगाता है।
युग उसके यशगान सुनाता,
जग उसका गुण गाता है,जो धारा
के विरुद्ध चलता है, वहीं
इतिहास बनाता है।
विपदाओं के घोर तिमिर में
जो बन दीपक जलता है,आँधियों
के सम्मुख भी जिसका साहस
नहीं बदलता है।
उसके चरण चिह्नों पर ही
नवयुग अपना पथ पाता है,जो
धारा के विरुद्ध चलता है, वहीं
इतिहास बनाता है।
भीड़ जहाँ बह जाती है, वह
अपना मार्ग बनाता है,असफलता
के पत्थरों से सफलता-महल
सजाता है।
पुरुषार्थों का स्वर्णाक्षर बन
अमर गाथा गाता है,जो धारा के
विरुद्ध चलता है, वहीं इतिहास
बनाता है।
धैर्य, साहस और कर्म का
जो अनुपम संगम होता
है,विपरीत परिस्थितियों में भी
जिसका मन अडिग रहता है।
कालचक्र भी उसके सम्मुख
श्रद्धा से शीश झुकाता है,जो
धारा के विरुद्ध चलता है, वहीं
इतिहास बनाता है।
लहरों से टकराने वाला सागर
का मान बढ़ाता है,संघर्षों की
अग्नि में तपकर कुंदन-सा
निखर जाता है।
उसकी गौरवगाथा को हर
युग आदर से दोहराता है,जो धारा
के विरुद्ध चलता है, वहीं
इतिहास बनाता है।

महेन्द्र सिंह
कटारिया,
नीमकाथाना,
राजस्थान

# मुंशी प्रेमचंद भाषा सारथी सम्मान से सम्मानित हुए उदयवीर सिंह यादव

**कोटा (हमारा वतन)** जयपुर के वरिष्ठ बैंकर, पूर्व सैनिक एवं प्रेरणास्रोत उदयवीर सिंह यादव को हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए संगम अकादमी पब्लिकेशंस द्वारा मुंशी प्रेमचंद भाषा सारथी सम्मान से सम्मानित किया गया।

उदयवीर सिंह यादव वर्तमान में भारतीय स्टेट बैंक, जयपुर में मुख्य प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। वे भारतीय सेना की सिग्नल कोर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्ष 1997 में ड्यूटी के दौरान हुई दुर्घटना में दोनों पैर गंवाने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। उच्च शिक्षा को अपना सहारा बनाकर उदयवीर सिंह यादव ने तीन स्नातकोत्तर उपाधियां प्राप्त की है।

जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और समाज सेवा के कारण उन्हें अब तक 150 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इनमें इंडिया बुक

ऑफ रिकॉर्ड्स, जनरल विपिन रावत लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, राजस्थान सरकार का सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजन सम्मान, और जयपुर-अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कृत शॉर्ट फिल्म 'उदयवीर रियल हीरो इंडियन आर्मी' शामिल हैं।

उदयवीर सिंह यादव भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक मूल्यों को युवाओं तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। रक्तदान शिविरों, प्रेरणादायक व्याख्यानों और साहित्यिक मंचों के माध्यम से वे समाज को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर उदयवीर सिंह यादव ने कहा कि 'भाषा ही हमारी पहचान है। मुंशी प्रेमचंद के आदर्शों से प्रेरणा लेकर मैं हिंदी और संस्कृति के प्रचार में अपना योगदान देता रहूंगा।'

यह सम्मान अन्य युवाओं को भी राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक चेतना के लिए प्रेरित करेगा।

## डॉ. सुरेश चंद शर्मा बने आध्यात्मिक विद्यापीठ ज्ञान योग केंद्र के राज्याध्यक्ष

**जयपुर (हमारा वतन)**

आध्यात्मिक विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पिथौरागढ़ (उत्तराखंड) में राजस्थान के समाजसेवी डॉ. सुरेश चंद शर्मा को ज्ञान योग केंद्र का राज्याध्यक्ष नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय के प्रधान संरक्षक डॉ. स्वामी गुरुकुलआनंद, कुलाधिपति जगतगुरु स्वामी संदीपनी तथा महासचिव स्वामी धरमदास महाराज ने नियुक्ति की घोषणा करते हुए डॉ. शर्मा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। महासचिव स्वामी धरमदास महाराज ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि डॉ. शर्मा को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, यश, तेज एवं सफल नेतृत्व प्रदान करें, ताकि वे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. सुरेश चंद शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित आध्यात्मिक विद्यापीठ विश्वविद्यालय सनातन संस्कृति, योग, आयुर्वेद तथा प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रमुख केंद्र है। इसकी स्थापना आत्मचेतना के विकास और मानव कल्याण के उद्देश्य से की गई है तथा यह वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक विचारधारा के प्रसार के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि आत्मज्ञान की खोज ही मनुष्य को अध्यात्म के मार्ग पर अग्रसर करती है। योग आध्यात्मिक यात्रा का प्रथम चरण है, जो व्यक्ति को आत्मबोध और सत्य की अनुभूति की ओर ले जाता है।

उन्होंने सभी से आत्मचिंतन, एकाग्रता तथा सनातन धर्म के सिद्धांतों का पालन करते हुए जीवन को सुखमय, संतुलित और सार्थक बनाने का आह्वान किया। डॉ. शर्मा की इस नियुक्ति पर उनके शुभचिंतकों, सामाजिक संगठनों एवं शिक्षाविदों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

## केडरब्रुक यूनिवर्सिटी ने रामचंद्र यादव को दी डॉक्टरेट की मानद उपाधि

**जयपुर (हमारा वतन)** राजस्थान की राजधानी जयपुर में कारगिल विजय दिवस के मौके पर यूएसए की प्रसिद्ध केडरब्रुक यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित भारतीय यूनिट के प्रोग्राम में यूनिवर्सिटी के वॉइस चांसलर केएस जय और लेफ्टिनेंट कर्नल विजय चौधरी की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम पंचायत घिनोई, चौमूं, जयपुर राजस्थान के निवासी डेयरी सचिव रामचंद्र यादव को पिछले 20 वर्षों तक किए गए सामाजिक और जनहित कार्य और नेशनल - इंटरनेशनल अवार्डों को देखते हुए यूनिवर्सिटी की टीम द्वारा और विभिन्न संगठनों के सिफारिश से पशु चिकित्सा क्षेत्र में मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रधान की है। यादव को हाल ही में नेपाल भूटान देश में इंटरनेशनल अवार्ड मिला था।

सभी खादी संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करवाने के लिए हमें जरूर भेजें !
Email-hamarawatan65@gmail.com, whatsapp-9214996258.
Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

## जॉब्स

1. राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर, पद स्टेनोग्राफर ग्रेड थर्ड, पद संख्या 163, अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026
2. इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम पद सीएस, डीए व ईसी, पद संख्या 133, अंतिम तिथि 17 अगस्त 2026
3. इसरो, पद ग्रेजुएट अप्रेंटिसशिप, पद संख्या 410, अंतिम तिथि 28 अगस्त 2026
4. नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे, पद अप्रेंटिस, पद संख्या 677, अंतिम तिथि 19 अगस्त 2026
5. रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद सेक्शन कंट्रोलर, पद संख्या 119, अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026
6. राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, पद जूनियर इंजीनियर/जूनियर अकाउंटेंट, पद संख्या 2005 अंतिम तिथि 25 अगस्त 2026
7. एम्स नॉर्सेट 2026, पद नर्सिंग ऑफिसर, पद संख्या अघोषित, अंतिम तिथि 13 अगस्त 2026
8. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद फिजियोथैरेपिस्ट, पद संख्या 20, अंतिम तिथि 21 अगस्त 2026

# बच्चों की हाइटः नियमित योगाभ्यास ग्रोथ हॉर्मोन कर सकता है बूस्ट

क्या आप अपने बच्चे की लंबाई को बढ़ाने के तरीके देख रहें है?तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि योगा आपकी मदद कर सकता है।योग को ग्रोथ हार्मोन को उत्तेजित करने के लिए पहचाना जाता है, और फिटनेस विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि विशिष्ट योग आसन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से इन हार्मोनों को बढ़ाने में मदद मिलती है, जिससे आपकी लंबाई बढ़ सकती है। योग का नियमित अभ्यास मन, शरीर और आत्मा के लिए अनगिनत लाभ प्रदान करता है, क्योंकि इसकी शारीरिक मुद्राएं, नियंत्रित श्वास के साथ मिलकर लचीलापन, शक्ति, सहनशक्ति और संतुलन बढ़ाती हैं।आसनों के अलावा एक और महत्वपूर्ण कारक जो ग्रोथ हार्मोन को उत्तेजित करता है वह प्राणायाम या गहरी सांस लेने का व्यायाम है। प्राणायाम शरीर को आराम देने का एक प्रभावी तरीका है, इन योग आसनों का अभ्यास करने से आपको लंबाई बढ़ाने में मदद मिलती है।

**धनुरासन**-धनुरासन, जिसे धनुष मुद्रा के रूप में भी जाना जाता है, जो रीढ़ की हड्डी के समग्र स्वास्थ्य और लचीलेपन के लिए फायदेमंद हो सकता है। यह अच्छी मुद्रा वाला योगदान है, जिससे व्यक्ति लंबा और अधिक आत्मविश्वासी दिखाई दे सकता है।

**ऐसे करें धनुरासन**-अपने पेट के बल जमीन पर लेटें, अपने पैरों को कूल्हे के बराबर करके अलग रखें और अपने हाथों को साइड में रखें।अपने घुटनों को मोड़ें और अपनी एड़ियों को जितना हो सके अपने कुल्हों के करीब लाएं।हाथों को पीछे ले जाएं और अपनी एड़ियों को पकड़ लें। यदि आप अपनी एड़ियों तक नहीं पहुंच सकते हैं, तो आप पकड़ने के लिए अपनी एड़ियों के चारों ओर लपेटे गए योगा स्ट्रैप का उपयोग कर सकते हैं।गहरी सांस लें और अपने पैरों को पीछे और ऊपर लाते हुए अपनी छाती और जांघों को एक साथ जमीन से ऊपर उठाएं।आपका वजन मुख्य रूप से आपके पेट और पैल्विक पर होना चाहिए। अपनी आंखे आगे और थोड़ा ऊपर की ओर रखें।गहरी सांस लेते हुए 15-30 सेकंड या जब तक आरामदायक हो, इस मुद्रा में बने रहें।धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए अपनी छाती और जांघों को जमीन पर लेकर जाएं।

**चक्रासन**-चक्रासन, जिसे व्हील पोज़ के रूप में भी जाना जाता है, चक्रासन समग्र स्वास्थ्य के लिए विभिन्न लाभ प्रदान करता है, जिसमें पीठ, कंधों और बाहों को मजबूत करना और रीढ़ की हड्डी का लचीलापन बढ़ाना शामिल है।

**ऐसे करें चक्रासन**-अपने घुटनों को मोड़कर और अपने पैरों को कूल्हे की चौड़ाई से अलग रखते हुए, फर्श पर सीधे अपनी पीठ के बल लेट जाएं। आपकी भुजाएं आपके शरीर के साथ होनी चाहिए, आपकी हथेलियां नीचे की ओर हों। अपनी कोहनियों को मोड़ें और अपने हाथों को अपने सिर के पास फर्श पर रखें, अपनी उंगलियों को अपने कंधों की ओर रखें। आपकी कोहनियां ऊपर की ओर होनी चाहिए।

अपनी हथेलियों को फर्श पर मजबूती से दबाएं। सांस लेते हुए, अपने हाथों और पैरों से धक्का दें, अपने कूल्हों और पीठ के निचले हिस्से को ज़मीन से ऊपर उठाएं। अपनी जांघों को एक दूसरे के बराबर रखें।जैसे ही आप अपनी छाती को ऊपर की ओर उठाते ही आप बैकबेंड में आते हुए अपने हाथों और पैरों पर दबाव डालना जारी रखें।कुछ देर के लिए इसी मुद्रा में बने रहें, गहरी और समान रूप से सांस लें।मुद्रा से वापस आने के लिए, अपनी ठुड्डी को छाती की ओर झुकाएं और धीरे-धीरे अपनी पीठ और कूल्हों को नियंत्रण के साथ जमीन पर टिकाएं।

**पादहस्तासन**-पादहस्तासन, जिसे स्टैंडिंग फॉरवर्ड बेंड के रूप में भी जाना जाता है, इसममें खड़े होने की स्थिति से आगे झुकना और हाथों को पैरों तक पहुंचाना होता है।

ऐसे करें पादहस्तासन

अपने पैरों को कूल्हे-चौड़ाई से अलग करके ताड़ासन में खड़े हों। अपनी रीढ़ सीधी रखें, और हाथों को अपने शरीर के बगल में रखें।

गहरी सांस लेते हुए अपनी भुजाएं ऊपर उठाएं । अपनी भुजाओं को एक-दूसरे के सामने रखें।

अपनी रीढ़ को सीधा रखते हुए, अपने कूल्हों से आगे की ओर झुकते हुए धीरे-धीरे सांस छोड़ें। आगे की ओर मोड़ते समय अपनी पीठ को सीधा रखें।

जब तक आपका शरीर फर्श के समान न हो जाए या जहां तक आपका लचीलापन है, तब तक आगे झुकें।

# बॉलीवुड चटकारा

## सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं, असर छोड़ने वाले किरदार निभाना चाहती हूं : बरखा सिंह

बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, लेकिन पिछले तीन सालों में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है। क्रिमिनल जस्टिस और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में साबित किया है। बरखा का मानना है कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों पर गहरी छाप भी छोड़ें। टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में वह पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं।बरखा सिंह ने कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जिनकी अपनी मजबूत आवाज़ हो, जो आज के दौर की जटिलताओं को दिखाएं और दर्शकों को कुछ सोचने पर मजबूर करें। अपनी विशलिस्ट के फिल्ममेकर्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी विशलिस्ट की बात करूं तो लापता लेडीज़ के बाद मैं किरण राव के साथ काम करना चाहूंगी। इसके अलावा राख जैसी शानदार स्टोरीटेलिंग के लिए प्रोसित रॉय और पाताल लोक में बेहतरीन काम करने वाले अविनाश अरुण के साथ काम करना भी मेरा सपना है। इन तीनों की कहानी कहने की शैली बेहद अलग और प्रेरणादायक है। बरखा सिंह जल्द ही टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक बिल्कुल नए और दमदार अंदाज़ में IRS अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

## 'लॉक अप 2': शिवांगी-हर्षद की बढ़ती नजदीकियों पर जन्नत जुबैर की खुली सलाह, अपने खेल पर दो ध्यान

रियलिटी शो लॉक अप 2 में पिछले कुछ हफ्तों से शिवांगी जोशी और एक्टर हर्षद चोपड़ा की दोस्ती को लेकर काफी बातें हो रही हैं। घर के अंदर और बाहर सोशल मीडिया पर भी लोग ये जानने की कोशिश कर रहे हैं कि दोनों के बीच आखिर चल क्या रहा है। इसी बीच एक्ट्रेस जन्नत जुबैर विजिटर बनकर शो में पहुंचीं और उन्होंने शिवांगी को आईना दिखाते हुए एक बड़ा रियलिटी चेक दिया। उन्होंने शिवांगी को समझाया कि वह बाहरी बातों पर ध्यान देने की बजाय खुद पर फोकस करें। जन्नत ने शिवांगी से कहा, घर के अंदर जो कुछ हो रहा है, वही बाहर भी दिखाया जा रहा है। दर्शकों तक बिना किसी फिल्टर के वही तस्वीर पहुंच रही है जो कैमरे में कैद हो रही है। इसी वजह से जो तुम्हारे और हर्षद के रिश्ते को लेकर जो अटकलें लग रही हैं, वो बेवजह नहीं हैं। अगर बाहर लोग ये सोच रहे हैं कि दोनों साथ हैं, तो इसमें हैरानी वाली बात नहीं है, क्योंकि घर के अंदर भी कई लोग यही महसूस कर रहे हैं। जन्नत ने शिवांगी को बताया, हर्षद स्वभाव से काफी इमोशनल हैं और बीते कुछ समय में दोनों कई बार इमोशनल भी हुए हैं। इसी वजह से घर के अंदर मौजूद लोग और बाहर के दर्शक दोनों को लग रहा है कि उनके बीच कनेक्शन दोस्ती से बढ़कर है।

## चोट से उबरने के बाद फिर जिम में वापस लौटीं एक्ट्रेस रकुल प्रीत, इंस्टाग्राम पर लिखा नोट

एक्ट्रेस रकुल प्रीत एक बार फिर से जिम में वापस आ गई हैं, और खुद को एक नए रूप में ढाल रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने जिम सेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं। चोट से उबरने के बाद एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने जिम में प्रवेश किया और बताया कि इस चोट ने उन्हें सिखाया कि ठीक होने में समय लगता है और इसमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने चोट के बाद की स्थिति पर विचार व्यक्त किया और बताया कि वह एक नई शुरुआत की ओर देख रही हैं। उन्होंने लिखा, हर सफर में एक ऐसा अध्याय होता है जिसके लिए कोई प्लान नहीं करता है। मेरे साथ ऐसा ही एक अध्याय हुआ, एक चोट के रूप में। एक पल में हर दिन मजबूत होने पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और अगले ही पल मुझे पूरी तरह से रुकना पड़ा। सिर्फ दर्द ही मुश्किल नहीं था, बल्कि उस खामोशी से भी जूझना पड़ा जो मेरे जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुकी चीज से दूर होने पर आई थी।एक्ट्रेस ने आगे कहा, जिम सिर्फ एक ऐसी जगह नहीं थी, जहां मैंने खुद को ट्रेंड किया, बल्कि यह वह जगह थी, जहां मैंने अनुशासन सीखा, अपने दिमाग को शांत किया और हर दिन खुद को याद दिलाया कि विकास निरंतरता से ही होता है। सबसे मुश्किल बात मेरी प्रगति का रुकना नहीं था। सबसे मुश्किल यह स्वीकार करना था कि ठीक होने में जल्दबाजी नहीं की जा सकती।

**हमारा वतन**
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

**अति आवश्यक सूचना**

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या खाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

## सम्पादकीय.....

# उत्तर प्रदेश भारत का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम

भारत में नवाचार अब तटीय क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के हृदयस्थल उत्तर प्रदेश से इसका नया नक्शा खींचा जा रहा है। दशकों तक हिंदी पट्टी को केवल इंजीनियरों का भंडार माना गया, जो अपनी प्रतिभा से दूसरे राज्यों को समृद्ध करते थे, पर आज उत्तर प्रदेश आर्थिक महत्वाकांक्षा का एक नया चेहरा बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य अब केवल प्रतिभा निर्यात नहीं कर रहा, बल्कि उसे पोषित कर अरबों डॉलर की कंपनियों में बदलने का संकल्प ले रहा है। आज

राम गोपाल सैनी

21,000 से अधिक स्टार्टअप्स और आठ यूनिकॉर्न्स के साथ, उत्तर प्रदेश भारत का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। यह उभार किसी वैश्विक घटना का संयोग नहीं, बल्कि दूरदर्शी नेतृत्व और परिपक्व नीति-निर्माण का परिणाम है।उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति- 2026 इस यात्रा को और सुदृढ़ करती है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन जैसे उभरते क्षेत्रों के साथ कृषि, ग्रामीण, रक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक महत्व के क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को प्राथमिकता दी गई है। स्टार्टअप्स को शुरुआती चरण में टिके रहने के लिए उसके उद्यमी को 20,000 रुपये का मासिक भत्ता, 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता, 15 लाख रुपया तक आरंभिक व योगदान-अनुरूप आर्थिक मदद दी जा रही हैं। साथ ही गुणवत्ता, पेटेंट फाइलिंग, बैंक कर्ज, नेटवर्किंग व ब्याज पर सब्सिडी जैसी सुविधाएं इनकी लागत कम करती हैं और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देती हैं। गहरी तकनीक वाले स्टार्टअप के लिए 'पेशेंस कैपिटल' (40 करोड़ रुपये तक), आरऐंडडी मैचिंग ग्रांट और कंप्यूट पावर जैसी विशेष प्रोत्साहन योजनाएं आधुनिक तकनीक में अग्रणी बने रहने की राज्य की महत्वाकांक्षा को दर्शाती हैं। इस नवाचार यात्रा को और विस्तार देने के लिए राज्य सरकार ने डाटा सेंटर नीति-2026 भी लागू की है, जिसका लक्ष्य दो लाख करोड़ रुपये के निवेश और 2 गीगावाट अतिरिक्त क्षमता का विकास है। एक ही समय में हजारों कार्यों को संभालने वाले जीपीयू आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर, ऊर्जा दक्षता और सतत संचालन पर जोर देते हुए यह नीति राज्य को हरित और वैश्विक स्तर का डाटा सेंटर हब बनाने में मददगार होगी। स्टार्टअप नीति व डाटा सेंटर नीति मिलकर राज्य में नवाचार आधारित उद्यमशीलता को आगे बढ़ाने का काम कर रही हैं। उत्तर प्रदेश आबादी, औद्योगिक आधार और ज्ञान संसाधनों का उपयोग करते हुए स्टार्टअप को विचार से लेकर उसे व्यवस्थित रूप देने तक पोषित करने का काम कर रहा है।

ये नीतियां केवल प्रोत्साहन योजनाएं नहीं हैं, बल्कि एक व्यवस्थित खाका हैं, जो स्टार्टअप को अर्थव्यवस्था में गहराई से जोड़ते हुए प्रदेश को नवाचार में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में अग्रसर है।उत्तर प्रदेश समावेशी और संतुलित विकास पर जोर दे रहा है। महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप को अतिरिक्त अनुदान और स्टार्टअप सहायक केंद्रों में उन्हें 25 प्रतिशत सीटें दी जा रही हैं, ताकि उनमें उद्यमिता का विकास हो। इसी तरह, पूर्वांचल और बुंदेलखंड क्षेत्र में पंजीकृत स्टार्टअप को अनुदान जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं, ताकि नवाचार केवल शहरी केंद्रों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-कस्बों तक पहुंचे। दरअसल, जिला स्तरीय नवाचार क्लस्टर स्थानीय अर्थव्यवस्था में उद्यमशीलता को गहराई से स्थापित करते हैं। कृषि-टेक, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ तकनीक, स्वास्थ्य और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में 50 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान व सब्सिडी सत्ता प्रतिष्ठानों की दूरदर्शी सोच के संकेत हैं।

# 101 जोड़ों ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ किया शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक

**जयपुर (हमारा वतन)**

विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में मोरीजा स्थित करणी वाटिका में नवम शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक एवं भव्य महाआरती का भव्य आयोजन परम पूज्य श्री श्री 1008 गिरधारी दास महाराज (पान वाले बाबा) के पावन सानिध्य में श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक परंपराओं के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजकुमार जोशी महामंत्री, राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन रहे। विशिष्ट अतिथियों में सुनील शर्मा (पूर्व अध्यक्ष, द डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन), पवन सैनी (अध्यक्ष, फैंसी फुटवियर एवं जनरल व्यापार मंडल), अनुराग शर्मा (पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विश्वविद्यालय), प्रदीप शर्मा उपाध्यक्ष, टेंट एसोसिएशन तथा राधेश्याम यादव अध्यक्ष, राजस्थान पेंशन मंच उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने की। कार्यक्रम के मुख्य यजमान समाजसेवी गोपाल शर्मा एवं रेखा शर्मा रहे। वैदिक अनुष्ठान का संचालन पंडित ईश्वर दास शर्मा एवं पंडित अरुण कुमार शर्मा के सानिध्य में

आचार्य कृष्णकांत शास्त्री तथा पं. मनोज शर्मा ने 51 विद्वान आचार्यों के सहयोग से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न कराया। इस पावन अवसर पर 101 दंपतियों ने पूर्ण श्रद्धा एवं वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन किया तथा परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति की कामना की। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण पर्यावरण संरक्षण का संदेश रहा। विराज फाउंडेशन द्वारा सभी यजमानों को तुलसी का पौधा भेंट कर प्रकृति संरक्षण एवं हरित पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प दिलाया गया। वहीं युवा बाल कलाकार हैत्विक सिंह ने अपनी मधुर भजन प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर वातावरण को शिवमय बना दिया। इस अवसर पर डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, चंद्रप्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश रीडर, डॉ. सी.एम. सैनी, डॉ. एम.के. अग्रवाल, कैप्टन श्रीराम शर्मा, नरेंद्र सिंह सोलंकी, नारायण लाल शर्मा, डॉ. सीताराम कुमावत, मुकेश लालानी, सत्य प्रकाश पारीक, डॉ. पवन कुमार तिवाड़ी, डॉ. सुरेंद्र कुमार शर्मा, राधेश्याम शर्मा, दामोदर प्रसाद खांडल, रामपाल कुमावत एवं वैद्य रामविलास शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# आईबीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हुआ गुरू वंदन कायक्रम

**जयपुर (हमारा वतन)** गुरु पूर्णिमा से पूर्व पुरोहितों का मोहल्ला स्थित इंद्रेश बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल चौमूं में गुरु वंदन कार्यक्रम का आयोजन शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा के सानिध्य में हुआ ।कार्यक्रम में महिला और पुरुष शिक्षकों का माल्यार्पण और दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष रमेश पुष्करणा ने बताया कि राज्य के 10 हजार स्कूलों में गुरु वंदन कार्यक्रम होता है। आज जयपुर के द्वितीय जिले ने आयोजित किया है । आज सभी गुरुओं को वंदन करते हुए भारतीय संस्कृति में गुरु की महिमा और गुरु के योगदान विषय पर सभी का मार्गदर्शन मिला । विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कैसे किया जा सकता है, ऋषि - मुनियों की परंपरा को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है, इस पर विचार विमर्श हुआ ।

इससे पूर्व सरस्वती माता के चित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । आचार्य पंडित रामस्वरूप

शर्मा ने मंगलाचरण किया । इसके बाद सभी अतिथियों का माल्यार्पण, दुपट्टा और साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस दौरान जयराम जाट प्रांत सहसंगठन मंत्री, देवेंद्र कुमार प्रदेश संयुक्त मंत्री, मेघराज शर्मा संभाग संयुक्त मंत्री, सूर्यप्रकाश शर्मा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, नवीन कुमार शर्मा प्रदेश महामंत्री राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ,राजेश कुमार दायमा विभाग संगठन मंत्री ,कैलाश सैनी प्रदेश सचिव कंप्यूटर अनुदेशक, अजय कुमार शर्मा जिला संगठन मंत्री ,चौथमल कुमावत जिला अध्यक्ष, रघुनंदन वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, मीनू जूनेजा महिला मंत्री, नानग राम उपाध्यक्ष संस्कृत शिक्षा, ग्यारसी लाल यादव कोषाध्यक्ष जयपुर प्रथम, रोहिताश दादरवाल खंड अध्यक्ष, महेश बलेसरा, जितेंद्र , निर्विकार, विनोद बासोतिया, हिमांशु, विकास, अंकित , राघव, विद्यालय सचिव श्याम किरण शर्मा, समाज सेवी कैलाश तिवारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, अंबालाल,महेश शर्मा, प्रशांत,स्वाति, गिरिराज पाराशर, प्रणव, राहुल कुमावत, राम सिंह चौधरी, रीमा अग्रवाल, वैष्णवी जागिड़, गुड्डू जागिड़, कोमल सैन, हंसा शर्मा, मनीशा शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
**मोनिका प्रिन्टर्स**
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फलैक्स / विनायल | ऑफसैट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

# डॉ. अशोक पाल सिंह के सानिध्य में मनाया विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

**उत्तराखंड (हमारा वतन)** राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिज्रौली में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक पर्यावरण-मित्र शिक्षक डॉ. अशोक पाल सिंह ने सम्बोधित करते हुए पर्यावरण एवं प्रकृति संरक्षण दिवस का महत्त्व बतलाया। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति विश्व स्तर पर जागरूकता फैलाना है, ताकि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से पृथ्वी को बचाया जा सके। इस विशेष पहल के अंतर्गत वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्ति तथा जल संरक्षण आदि के प्रति जागरूकता फैलाना मुख्य ध्येय है। इस अवसर पर शिक्षक सुधीर सैनी एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।